

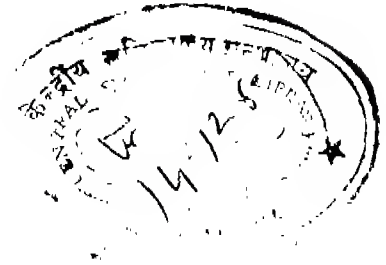


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 448]
No. 448]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 3, 1987/चाद्र 12, 1909
NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 3, 1987/EHADRA 12, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

(कम्पनी विधि बोर्ड)

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 1987

आदेश

का.आ. 811(अ) :—केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि (1) अपट्रान कैपेसिटर्स लिमिटेड, जो कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन निर्गमित एक सरकारी कम्पनी है और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय, तालाब टिकैत राय, ऐशबाग, लखनऊ में स्थित है, (ii) अपट्रान डिजिटल सिस्टम्स लिमिटेड, जो कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) के अधीन निर्गमित एक सरकारी कम्पनी है और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय, श्री प्रताप भवन, लखनऊ में स्थित है; और (iii) अपट्रान कम्प्यूटिकेशन्स एण्ड इन्स्ट्रुमेंट्स लिमिटेड, जो कम्पनी अधिनियम, 1956 के अधीन निर्गमित एक सरकारी कम्पनी है और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय 10, अशोक मार्ग, लखनऊ में स्थित है (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् "उक्त तीन कम्पनियाँ" कहा गया है) को अपट्रान इंडिया

लिमिटेड, जो कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) के अधीन निर्गमित एक सरकारी कम्पनी है और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय 10, अशोक मार्ग, लखनऊ में स्थित है, में समामेलित किया जाना चाहिये और जिनमें से सभी यूपी इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन लिमिटेड, जो पूर्णतः सरकारी स्वामित्व वाली कम्पनी है, जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय 10, अशोक मार्ग, लखनऊ में स्थित है, को पूर्णतः स्वामित्व वाली समन्वयणी कम्पनियाँ हैं, जिससे कि इन कम्पनियों के वक्ष विनिधान और प्रवन्ध के लिये नियंत्रण प्राप्त करने के लिये निर्गमित उत्पाद नीतियाँ बनाने और उनका कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के प्रयोजन के लिये परिचालन में मितव्ययिता हो और प्रस्थापित आदेश के प्रारूप को एक प्रति उपर्युक्त कम्पनियों अर्थात्, अपट्रान कैपेसिटर्स लिमिटेड, अपट्रान कम्प्यूटिकेशन्स एण्ड इन्स्ट्रुमेंट्स लिमिटेड, अपट्रान डिजिटल सिस्टम्स लिमिटेड और अपट्रान इंडिया लिमिटेड को समाचार पत्र में प्रकाशन के लिये भेजी गई थी और समामेलन की स्कीम के बारे में कोई आक्षेप/सुझाव कम्पनी विधि बोर्ड को प्राप्त नहीं हुए हैं।

अतः कम्पनी विधि बोर्ड, भारत सरकार के कम्पनी कार्य विभाग की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 443 (अ) तारीख, 18 अक्टूबर 1972 के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 398 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए

उक्त चारों कम्पनियों को एक कम्पनी में समाहित करने का उपबन्ध करने के लिये निम्नलिखित आदेश करता है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम :—इस आदेश का संक्षिप्त नाम अपट्रान इंडिया लिमिटेड, अपट्रान कैपेसिटर्स लिमिटेड, अपट्रान डिजिटल सिस्टम्स लिमिटेड और अपट्रान कम्प्युनिकेशन्स एण्ड इन्स्ट्रुमेंट्स लिमिटेड समावेशन आदेश 1987 है।

2. परिभाषाएं :—इस आदेश में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,

(क) "नियत दिन" से वह तारीख अभिप्रेत है जिसको यह आदेश राजपत्र में प्रकाशित होता है;

(ख) "विघटित कम्पनियाँ" से अपट्रान कैपेसिटर्स लिमिटेड, अपट्रान डिजिटल सिस्टम्स लिमिटेड और अपट्रान कम्प्युनिकेशन्स एण्ड इन्स्ट्रुमेंट्स लिमिटेड अभिप्रेत हैं;

(ग) "नव गठित कम्पनी" से अपट्रान इंडिया लिमिटेड अभिप्रेत है।

3. कम्पनियों का समावेशन :—(i) नियत तिथि से ही विघटित कम्पनियों का उपक्रम, उसके विनियमों के, यदि कोई हो, अधीन रहते हुए, अपट्रान इंडिया लिमिटेड को अंतरित और उसमें निहित हो जायेगा तथा यह कम्पनी ऐसा अन्तरण होने पर तुरन्त, समावेशन में नवगठित कम्पनी समझी जायेगी।

(ii) लेखा प्रयोजनों के लिये, समावेशन उक्त चारों कम्पनियों के 30 जून, 1986 को विद्यमान संपत्ति, लेखाओं और तुलन पत्रों के प्रतिनिर्देश से प्रभावी होगा और उसके पश्चात् किये गये संव्यवहारों को एक सामान्य लेखा में रखा जायेगा। विघटित कम्पनियों से किसी पञ्चाङ्गों तालाब को यथा विद्यमान अंतिम लेखा तैयार करने की अपेक्षा नहीं की जायेगी और विघटित कम्पनियों के 30 जून 1986 को यथा विद्यमान तुलनपत्र के अनुसार सभी आस्तियाँ और दायित्व नवगठित कम्पनी ग्रहण कर लेगी और नवगठित सभी संव्यवहारों का पूरा वाणिज्य स्वीकार करेगी।

स्पष्टीकरण :—इस आदेश के प्रयोजनों के लिये "विघटित कम्पनियों के उपक्रम" के अन्तर्गत सभी अधिकार, शक्तियाँ, प्राधिकार और विशेषाधिकार, तथा सभी जंगम या स्थावर सम्पत्ति है, जिनके अन्तर्गत नकद, प्रयोग्य आरांभिकता, आमदनी आदि, विवेकान तथा ऐसा सम्पत्ति में या उससे उत्पन्न होने वाले सभी अन्य हित और अधिकार भी हैं जो नियत दिन के ठीक पूर्व विघटित कम्पनियों के हैं या उनके कब्जे में हैं और उससे संबंधित सभी बहियाँ, लेखे और दस्तावेज हैं और विघटित कम्पनियों के उस समय विद्यमान सभी ऋण, दायित्व कर्तव्य और बाध्यताएँ भी हैं, चाहे वे किसी भी प्रकार की हों।

4. सम्पत्ति की कतिपय सदों का अन्तरण :—इस आदेश के प्रयोजन के लिये, नियत दिन को विघटित कम्पनियों के सभी लाभ या हानियाँ या दोनों, यदि कोई हो, तथा विघटित कम्पनियों की आमदनी आरक्षितियाँ या कमियाँ, या दोनों, यदि कोई है तथा विघटित कम्पनियों की पूंजी आरक्षितियाँ, जिनके अन्तर्गत विकास कटौती आरक्षित भी हैं, जब नवगठित कम्पनी को अंतरित कर दी जाये तब, नवगठित कम्पनी के, यथास्थिति, लाभ या हानियाँ तथा आमदनी आरक्षितियाँ या कमी नवगठित कम्पनी की क्रमशः पूंजी और आमदनी आरक्षितियों का भाग बन जायेंगी।

5. शेयर विनियम अनुपात :—नवगठित कम्पनी और विघटित कम्पनियों की पूंजी संरचना निम्न प्रकार से है :—

(क) अपट्रान इंडिया लिमिटेड :—

प्राधिकृत शेयर पूंजी	7 करोड़ रुपये
साधारण शेयरों की संख्या	70,00,000
शेयरों का मूल्य	प्रत्येक 10/- रुपये

पुरो, त्, अभिदत्त और समादत्त शेयर पूंजी	5,90,00,000 रुपये
साधारण शेयरों की संख्या	59,00,000
इन शेयरों की समादत्त रकम	प्रत्येक 10 रुपये

(ख) अपट्रान कैपेसिटर्स लिमिटेड :—

प्राधिकृत शेयर पूंजी	1.75 करोड़ रुपये
साधारण शेयरों की संख्या	17,50,000
शेयरों का मूल्य	प्रत्येक 10 रुपये
पुरोघृत, अभिदत्त और समादत्त शेयर पूंजी	1,51,34,000 रुपये
साधारण शेयरों की संख्या	15,13,400
इन शेयरों की समादत्त रकम	प्रत्येक 10 रुपये

(ग) अपट्रान डिजिटल सिस्टम्स लिमिटेड :—

प्राधिकृत शेयर पूंजी	6 करोड़ रुपये
साधारण शेयरों की संख्या	60,00,000
शेयरों का मूल्य	प्रत्येक 10 रुपये
पुरोघृत, अभिदत्त और समादत्त शेयर पूंजी	2,53,76,000 रुपये
साधारण शेयरों की संख्या	25,37,600
इन शेयरों पर समादत्त रकम	प्रत्येक 10 रुपये

(घ) अपट्रान कम्प्युनिकेशन्स एण्ड इन्स्ट्रुमेंट्स लिमिटेड :—

प्राधिकृत शेयर पूंजी	1 करोड़ रुपये
साधारण शेयरों की संख्या	10,00,000
शेयरों का मूल्य	प्रत्येक 10 रुपये
पुरोघृत, अभिदत्त और समादत्त शेयर पूंजी	54,65,070 रुपये
साधारण शेयरों की संख्या	5,46,507
इन शेयरों पर समादत्त रकम	प्रत्येक 10 रुपये

अपट्रान कैपेसिटर्स लिमिटेड, अपट्रान डिजिटल सिस्टम्स लिमिटेड और अपट्रान कम्प्युनिकेशन्स एण्ड इन्स्ट्रुमेंट्स लिमिटेड के संबंध में विनियम अनुपात सम-मूल्य के आधार पर होगा। इस प्रकार यु.पी. इलेक्ट्रॉनिक्स कारपोरेशन लिमिटेड को, जो इन सभी तीनों अन्तरक कम्पनियों की नियंत्रि कम्पनी है, निम्नलिखित रीति में अपट्रान इंडिया लिमिटेड में शेयर आबंटित किये जायेंगे :—

अन्तरक कम्पनी का नाम	यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स कारपोरेशन लिमिटेड नियंत्रि कम्पनी द्वारा धारित शेयरों की संख्या	अपट्रान इंडिया लिमिटेड द्वारा आबंटित किये जाने वाले शेयरों की संख्या
----------------------	---	--

1. अपट्रान कैपेसिटर्स लिमिटेड	15,13,400	15,13,400
2. अपट्रान डिजिटल सिस्टम्स लिमिटेड	25,37,600	25,37,600
3. अपट्रान कम्प्युनिकेशन्स एण्ड इन्स्ट्रुमेंट्स लिमिटेड	5,46,507	5,46,507

नव गठित कम्पनी नियंत्रि कम्पनी, अर्थात् यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स कारपोरेशन लिमिटेड को विलयन के निबन्धनों के अनुसार यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स कारपोरेशन लिमिटेड और उसके द्वारा नियुक्त नामनिर्देशितियों को आबंटित किये जाने वाले अपेक्षित शेयरों की विशिष्टियों के संबंध में सूचित करेगी और ऐसे व्यक्तियों को, जो यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा नामनिर्दिष्ट किये जायें, युक्ति युक्त शीघ्रता से आबंटन करेगी।

6. संविदाओं आदि की व्यावृत्ति :—इस आदेश में अन्तर्बिष्ट अन्य उपबन्धों के अधीन रहते हुए, सभी संविदाओं, विलेख, बन्धपत्र, करार और अन्य लिखतें, चाहे वे किसी भी प्रकार की हों, जिनमें विघटित कम्पनिया पक्षकार हैं और जो नियत दिन से ठीक पूर्व विद्यमान या प्रभावशाली हों, नवगठित कम्पनी के विरुद्ध या उसके पक्ष में पूर्णतः प्रवृत्त और प्रभावशाली होंगे और उन्हें वैसे ही पूर्ण और प्रभावी रूप से प्रवृत्त किया जा सकेगा मामों विघटित कम्पनियों की बजाय नवगठित कम्पनी उनमें एक पक्षकार थी।

7. विधिक कार्यवाहियों की व्यावृत्ति :—यदि, नियत दिन को विघटित कम्पनियों द्वारा उनके विरुद्ध कोई वाद, अभियोजन, माध्यस्थम, अपील या किसी भी प्रकृति की अन्य विधिक कार्यवाही सम्मत है तो वह विघटित कम्पनियों के उपक्रम के नवगठित कम्पनी को अन्तरित हो जाने के कारण या इस आदेश में अन्तर्बिष्ट किसी बात के कारण उपशमित नहीं होगी या उसे बन्द नहीं किया जायेगा अथवा किसी भी प्रकार उस पर कोई, प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा, अपितु यह वाद, अभियोजन, माध्यस्थम, अपील या अन्य कार्यवाही, नवगठित कम्पनी द्वारा या उसके विरुद्ध उसी रीति से और उसी विस्तार तक जारी रखी जा सकेगी, अभियोजित और प्रवर्तित की जा सकेगी जिस रीति से और जिस विस्तार तक वह, इस आदेश के न किये जाने की दशा में, विघटित कम्पनियों द्वारा या उसके विरुद्ध जारी रखी जाती या अभियोजित और प्रवर्तित की जाती या जारी रखी जा सकती थी, या अभियोजित और प्रवर्तित की जा सकती थी।

8. कराधान की बाबत उपबन्ध :—नियत दिन के पूर्व विघटित कम्पनियों द्वारा किये गये कारबार के लाभों और अभिलाभों (जिनके अन्तर्गत संचित हानियाँ और समाप्तित अवक्षेप भी हैं) की बाबत सभी कर नवगठित कम्पनी द्वारा उसी विस्तार तक संदेय होंगे जिस विस्तार तक वे, इस आदेश के न किये जाने की दशा में विघटित कम्पनियों द्वारा संदेय होंगे।

9. विघटित कम्पनियों के विद्यमान अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों की बाबत उपबन्ध :—

विघटित कम्पनियों में नियत दिन के ठीक पूर्व नियोजित प्रत्येक पूर्णकालिक, अधिकारी या अन्य कर्मचारी (जिनके अन्तर्गत विघटित कम्पनियों के निदेशक और पूर्णकालिक निदेशक नहीं हैं) नियत दिन से ही नवगठित कम्पनी का, यथास्थिति, अधिकारी या कर्मचारी बनाने जायेगा और वह उसमें अपना पद या अपनी सेवा उसी अवधि के लिये और उन्हीं निबन्धनों और शर्तों पर तथा वैसे ही अधिकारी, और विशेषाधिकारों के साथ धारण करेगा जैसा वह, इस आदेश के न किये जाने की दशा में, विघटित कम्पनियों के अधीन धारण करता और वह तब तक ऐसा करता रहेगा जब तक नवगठित कम्पनी में उसका नियोजन सम्यक् रूप से समाप्त नहीं कर दिया जाता या जब तक उस का पारिश्रमिक और नियोजन की शर्तों पारस्परिक सहमति द्वारा सम्यक् रूप से परिवर्तित नहीं कर दी जाती हैं। तथापि, विघटित कम्पनियों के सचिव और पूर्णकालिक निदेशक, यदि कोई हों, के पद नियत दिन से विघटित हो जायेंगे और विघटित कम्पनियों के सचिव तथा पूर्णकालिक निदेशकों के पदों के धारक नवगठित कम्पनी में उपयुक्त पदों पर, उसी वेतनमान में तथा उन्हीं परिणामधियों सहित जो उनके द्वारा नियत दिन से ठीक पूर्व विघटित कम्पनियों में मिले जा रहे थे, समायोजित किये जायेंगे और नियत दिन से वे नवगठित कम्पनी के अधिकारी हो जायेंगे तथा वे अपने पद या उसमें सेवा तब तक धारण करते रहेंगे जब तक नवगठित कम्पनी में उनका अपना-अपना नियोजन सम्यक् रूप से समाप्त नहीं कर दिया जाता है या जब तक उनका पारिश्रमिक और नियोजन की शर्तें पारस्परिक सहमति द्वारा सम्यक् रूप से परिवर्तित नहीं कर दी जाती हैं।

10. निदेशकों की स्थिति :—विघटित कम्पनियों का प्रत्येक निदेशक, जिसके अन्तर्गत पूर्णकालिक निदेशक भी हैं, जो नियत दिन के ठीक पूर्व, इस ऐसियत में पद धारण कर रहा था, नियत दिन को, विघटित कम्पनियों का निदेशक नहीं रहेगा।

11. भविष्य निधि, अभिवर्षिता निधि, कल्याण निधि और अन्य निधियाँ :—आयकर अधिनियम के उपबन्धों के अनुपालन के अधीन रहते हुए, विघटित कम्पनियों, द्वारा अपने अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों के फायदे के लिये स्थापित की गई भविष्य निधि अभिवर्षिता निधि/कल्याण निधि/किन्हीं अन्य निधियों के न्यायी, नियत दिन को संबंधित न्यायों की निधियों नवगठित कम्पनी को अंतरित करने के लिये कार्यवाई करेंगे और नवगठित कम्पनी नियत दिन से ही या उस दिन के पश्चात् यथासंभव शीघ्र, परिस्थितियों के अनुसार, जैसा व्यवहार्य हो, उन्हीं उद्देश्यों, निबन्धनों और वैसी ही शर्तों के अनुसार, जो कि विद्यमान न्याय/न्यायों की हैं, उक्त धन को लेकर एक या अधिक न्यायों का गठन करेगी या उक्त विद्यमान निधि/निधियाँ नवगठित कम्पनी के एक या अधिक तत्स्थानी न्यायों को अंतरित किये जा सकेंगे जिसे कि दोनों में से किसी भी विकल्पों में विद्यमान न्याय/न्यायों के हिताधिकारियों के अधिकार और हित किसी भी प्रकार से कम नहीं हों या उन पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। जहां विद्यमान न्याय/न्यायों के सभी धन और अन्य आस्तियाँ अंतरित/अंतरितियों को इस खंड के अधीन अंतरित कर दी जाती हैं और उनमें विनिहित कर दी जाती हैं, वहां ऐसे न्याय/न्यायों, नियत दिन से ही न्याय से उन बातों के मित्राभ निर्मुक्त हो जायेंगे जो नियत दिन के पूर्व की गई हैं या उन्हें करने से लोप किया गया है।

12. अपट्टान कैपिटल लिमिटेड, अपट्टान डिजिटल सिस्टम्स लिमिटेड और अपट्टान कम्प्यूटिकेशन्स तथा इन्स्ट्रुमेंट्स लिमिटेड का विघटन :—

इस आदेश के अन्य उपबन्धों के अधीन रहते हुए, नियत दिन से ही अपट्टान कैपिटल लिमिटेड, अपट्टान डिजिटल सिस्टम्स लिमिटेड और अपट्टान कम्प्यूटिकेशन्स तथा इन्स्ट्रुमेंट्स लिमिटेड विघटित हो जायेंगी और कोई भी व्यक्ति विघटित कम्पनियों या उनके किसी निदेशक या अधिकारी के विरुद्ध, ऐसे निदेशक या अधिकारी के रूप में उसकी ऐसियत में, कोई दावा, मांग या कार्यवाही, निषेध वहां तक जहां तक कि इस आदेश के उपबन्धों का प्रवर्तन करने के लिये आवश्यक है, नहीं करेगा।

13. कम्पनी रजिस्ट्रार द्वारा आदेश का रजिस्ट्रीकरण :—कम्पनी विधि बोर्ड, इस आदेश के राजपत्र में अधिसूचित होने के पश्चात्, यथाशीघ्र, कम्पनी रजिस्ट्रार, उत्तर प्रदेश को इस आदेश की एक प्रति भेजेगा और उसकी प्राप्ति पर कम्पनी रजिस्ट्रार, उत्तर प्रदेश नवगठित कम्पनी द्वारा विहित फीस का संवाह कर दिये जाने पर आदेश को रजिस्टर करेगा और इस आदेश की प्रति प्राप्त होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उसके रजिस्ट्रीकरण का अपने हस्ताक्षर से प्रमाणित करेगा। तत्पश्चात्, कम्पनी रजिस्ट्रार, उत्तर प्रदेश विघटित कम्पनियों के संबंध में उसके पास रजिस्टर, अभिलिखित या फाइल किये गये सभी दस्तावेजों को अपट्टान इंडिया लिमिटेड जिनमें विघटित कम्पनियाँ शामिल की गई हैं, की फाइल में रखेगा और उन्हें संभाल करेगा तथा इस प्रकार संभालित दस्तावेजों को फाइल में रखेगा।

14. नवगठित कम्पनी के संगम-जापन और संगम-अनुच्छेद :—अपट्टान इंडिया लिमिटेड के संगम-जापन और संगम-अनुच्छेद, जैसे कि वे नियत दिन से ठीक पूर्व विद्यमान थे, 1111 दिन से ही, नवगठित कम्पनी के संगम-जापन और संगम-अनुच्छेद हो जायेंगे।

[स. 24/21/86- सा एल III]

आर.एन. बंसल, सदस्य, कम्पनी विधि बोर्ड

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

(Company Law Board)

New Delhi, the 3rd September, 1987

ORDER

S.O. 811(E).—Whereas the Central Government is satisfied that it is essential in the public interest that—(i) The Uptron Capacitors Ltd., a Government Company incorporated under the companies Act, 1956 (1 of 1956) having its registered office at Tazab Tikait Rai, Aishbagh, Lucknow; (ii) The Uptron Digital Systems Ltd., a Government Company, incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) having its registered office at Shree Pratap Bhawan, Lucknow, and (iii) The Uptron Communications & Instruments Ltd., a Government Company incorporated under the Companies Act, 1956 having its registered office at 10, Ashok Marg, Lucknow (hereinafter referred to as the “said Three Companies”) should be amalgamated with The Uptron India Ltd., a Government Company incorporated under Companies Act, 1956 (1 of 1956) having its registered office at 10, Ashok Marg, Lucknow, all of which are the wholly owned subsidiary Companies of U.P. Electronics Corporation Limited, a wholly owned Government Company having its registered office at 10, Ashok Marg Lucknow for the purpose of ensuring formulation and implementation of corporate product policies for securing control for efficient investments and management of these companies resulting in economy in operation.

And whereas a copy of the proposed Order was sent in draft to the Companies aforesaid namely The Uptron Capacitors Ltd., the Uptron Communications & Instruments Ltd. and The Uptron Digital Systems Ltd., The Uptron India Ltd. for its publication in the newspaper and no objection/suggestions have been received by the Company Law Board in regard to the scheme of amalgamation.

Now, therefore in exercise of the powers conferred by Sections (1) and (2) of Section 396 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the notification of Government of India in the Department of Company Affairs No. GSR 443(E) dated the 18th October, 1972, the Company Law Board hereby makes the following Order to provide for the amalgamation of the said four Companies into a single Company namely :—

1. Short Title.—This order may be called the The Uptron India Ltd., The Uptron Capacitors Ltd., Uptron Digital Systems Ltd. and the Uptron Communications & Instruments Ltd. Amalgamation Order, 1987.

2. Definitions.—In this Order, unless the context otherwise requires :

(a) “appointed day” means the date on which this Order is notified in Official Gazette ;

(b) “dissolved Companies” means The Uptron Capacitors Ltd., The Uptron Digital Systems Ltd. & The Uptron Communications and Instruments Ltd.

(c) “Resulting Company” means The Uptron India Limited.

3. Amalgamation of the Companies.—(i) On and from the appointed day, the undertakings of the dissolved Companies subject to encumbrances, thereof if any, shall stand transferred to, and vest in, Uptron India Limited which Company shall, immediately on such transfer, be deemed to be the Company resulting from the amalgamation.

(ii) For accounting purposes, the amalgamation shall be effected with reference to the audited accounts and balance sheets as on the 30th June, 1986 of the said four Companies, and the transactions thereafter shall be pooled into a common account. The dissolved Companies shall not be required to prepare their final accounts as on any later date and the resulting Company shall take over all assets and liabilities according to the Balance Sheets as on the 30th June, 1986 of the dissolved Companies and accept full responsibility for all transactions thereafter.

Explanation.—For the purpose of this Order “the undertakings of the dissolved Companies” shall include Development Rebate Reserve of the dissolved Companies and all other interests and rights in or arising out of cash balances, reserves, revenue balances, investments and all property movable or immovable, including such property as may belong to or be in the possession of the dissolved Companies immediately before the appointed day and all books, accounts and documents relating thereto and also debts, liabilities, duties and obligations of whatever kind then existing of the dissolved Companies.

4. Transfer of certain item of property.—For the purpose of this Order, all the profits or losses or both, if any, of the dissolved Companies as on the appointed day and the revenue reserves or deficits or both, if any, of the dissolved Companies and capital reserves include all rights, powers, authorities and privileges of the dissolved Companies when transferred to the resulting Company shall respectively form part of the profits or losses and the revenue reserves or deficits, as the case may be, of the resulting Company and of the capital and revenue reserves of resulting Company.

5. Share Exchange ratio.—Capital structure of the resulting Company and the dissolved Companies is as follows :

A. of the Uptron India Limited.

Authorised Share Capital	Rs. 7 Crores
No. of equity shares	70,00,000
Value of Shares	Rs. 10/- each
Issued, subscribed and paid up Share capital	Rs. 5,90,00,000
No. of equity shares	59,00,000
Amount paid-up on these shares	Rs. 10/- each

B. Of the Uptron Capacitors Ltd. :

Authorised share capital	Rs. 1.75 crores
No. of equity shares	17,50,000
Value of shares	Rs. 10/- each.
Issued, subscribed and paid-up share capital	Rs. 1,51,34,000
No. of equity shares	15,13,400
Amount paid-up on these shares	Rs. 10/- each.

C. Of the Uptron Digital Systems Ltd. :

Authorised share capital	Rs. 6 crores.
No. of equity shares	60,00,000
Value of shares	Rs. 10/- each
Issued, subscribed and paid-up share capital	Rs. 2,53,76,000
No. of equity shares	25,37,600
Amount paid up on these shares	Rs. 10/- each.

D. Of the Uptron Communications and Instruments Ltd. :

Authorised share capital	Rs. 1 crore.
No. of equity shares	10,00,000
Value of shares	Rs. 10/- each.
Issued, Subscribed and paid-up share capital	Rs. 54,65,070
No. of equity shares	5,46,507
Amount paid up on these	Rs. 10/each.

The exchange ratio will be on the basis of par value in respect of M/s. Uptron Capacitors Ltd., M/s. Uptron Digital System Ltd. & M/s. Uptron Communication & Instruments Ltd. Thus the U.P. Electronics Corporation Ltd. the holding company of all these three transferor companies will be allotted shares in M/s. Uptron India Ltd. in the following manner :—

Name of the transferor Co.	No. of shares held by UPLC, the holding Company	No. of shares to be allotted by M/s. Uptron India Ltd.
1. Uptron Capacitors Ltd.	15,13,400	15,13,400
2. Uptron Digital Systems Ltd.	25,37,600	25,37,600
3. Uptron Communication and Instruments Ltd.	5,46,507	5,46,507

The resulting Company shall intimate to the holding Company viz. U.P. Electronics Corporation Ltd. particulars as to the shares required to be allotted in terms of the merger to U.P. Electronics Corporation Ltd. and its appointed nominee, and cause the allotment to such persons as may be nominated by U.P. Electronics Corporation Ltd. with reasonable despatch.

6. Saving of contracts etc.—Subject to the other provisions contained in this Order all contracts, deeds, bonds, agreements and other instruments of whatever nature to which the dissolved Companies are parties, subsisting or having effect immediately

before the appointed day, shall have full force and effect against or in favour of the resulting Company and may be enforced as fully and effectually as if, instead of the dissolved Companies, the resulting Company had been a party thereto.

7. Saving of legal proceedings.—If, on the appointed day, any suit, prosecution, arbitration, appeal or other legal proceedings of whatever nature by or against the dissolved Companies be pending, the same shall not abate or be discontinued or be in any way prejudicially affected by reason of the transfer to the resulting Company of the undertaking of the dissolved Companies or of anything contained in this Order, but the suit, prosecution, arbitration appeal or other proceeding may be continued prosecuted and enforced by or against the resulting Company in the same manner and to the same extent as it would have or may be continued, prosecuted and enforced by or against the dissolved Companies if this Order had not been made.

8. Provisions with respect of taxation.—All taxes in respect of the profits and gains (including accumulated losses and unabsorbed depreciation) of the business carried on by the dissolved Companies before the appointed day shall be payable by the resulting Company to the same extent as they would have been payable by the dissolved Companies if this Order had not been made.

9. Provisions respecting existing officers and other employees of the dissolved Companies.—Every whole-time officer or other employee (excluding the Directors as also whole-time Directors of the dissolved Companies) employed immediately before the appointed day, in the dissolved companies shall, as from the appointed day, become an officer or employee, as the case may be, of the resulting Company and shall hold his office or service therein by the same tenure and upon the same terms and conditions and with the same rights and privileges as he would have hold the same under the dissolved Companies, if this Order had not been made, and shall continue to do so unless and until his employment in the resulting Company is duly terminated or until his remuneration and conditions of employment are duly altered by mutual consent. However, the posts of Secretary and of whole-time Director if any in the dissolved Companies shall stand dissolved with effect from the appointed day and the incumbents of the posts of Secretary and of the whole-time Director of the dissolved Companies will be adjusted against suitable posts in the resulting Company in the same scale of pay and with the same perquisites being drawn by them in the dissolved Companies immediately before the appointed day and as from the appointed day become officers of the resulting Company and shall hold their office or service therein unless and until their respective employment in the resulting Company is duly terminated or until their remuneration and conditions of employment are duly altered by mutual consent.

10. Position of Directors.—Every Director of the dissolved Companies including whole-time Director holding office as such immediately before the

appointed day shall cease to be a Director of the dissolved Companies on the appointed day.

11. **Provident, Superannuation, Welfare and other funds.**—Subject to the compliance with the provisions of the Income Tax Act, the Trustees of the Provident Fund|Superannuation Fund|Welfare Fund| any other Funds established by the dissolved Companies for the benefit of its officers and other employees will take steps for transfer of funds of the respective Trusts as on the appointed day to the resulting Company shall immediately from the appointed day or as soon as possible after that day, constitute the above moneys into one or more trusts with the same objects, terms and conditions similar to these of the existing trust(s) as the circumstances practicable in the said existing funds may be transferred to the one or more corresponding trusts of the resulting Company, so that in either of the above two alternatives, the rights and interest of the beneficiaries of the existing trust(s) shall not in any way be diminished or prejudiced. Where all the moneys and other assets belonging to the existing trust(s) are transferred to, and vested in, to the transferee(s), under this clause, the trustee, of such trusts shall, as from the appointed day, stand discharged from the trust, except as respects things done or committed to be done before the appointed day.

12. **Dissolution of the UPTRON Capacitors Ltd., The Uptron Digital Systems Limited and the Uptron Communication and Instruments Ltd.**—Subject to the other provisions of this order, as from the appointed day, Uptron Capacitors Ltd., Uptron Digital Systems Ltd. & Uptron Communications and Instruments Ltd., shall be dissolved, and no person shall make, assert or take any claims, demands or

proceedings against the dissolved Companies or against a Director or an Officer thereof in his capacity as such Director or officer, except in so far as may be necessary for enforcing the provisions of this Order.

13. **Registration of the Order by the Registrar of Companies.**—The Company Law Board shall, as soon as may be after this order is notified in the Official Gazette send to the Registrar of Companies, Uttar Pradesh, a copy of the Order, on receipt of which the Registrar of Companies, Uttar Pradesh, shall register the Order, on payment of the Prescribed fees by the resulting Company and certify under his hand the registration thereof within thirty days from the date of receipt of a copy of this Order. Thereafter, the Registrar of Companies, Uttar Pradesh, shall place all documents registered, recorded or filed with him relating to the dissolved Companies on the file of the Uptron India Ltd., with whom the dissolved Companies have been amalgamated and consolidate these and shall keep such a consolidated documents on the file.

14. **Memorandum and Articles of Association of the resulting Company.**—The Memorandum and Articles of Association of the Uptron India Ltd. as they stood immediately before the appointed day, shall as from the appointed day be the Memorandum and Articles of Association of the resulting Company.

[24/21/86-CLIII]

R. N. BANSAL, Member
Company Law Board